मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 24 अप्रैल 2017

जामिया मिल्लिया की टीम बनी स्मार्ट इंडिया हेकाथन विजेता

हवाई अड्डों और उसके आस पास के निषिद्ध हवाई क्षेत्र में किसी आवंछित ड्रोन को घुसने से रोकने की सुरक्षा व्यवस्था बनाने वाली जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों की टीम स्मार्ट इंडिया हेकाथन प्रतियोगिता की विजेता बनी है।

इलाहाबाद में हाल ही में आयोजित स्मार्ट इंडिया हेकाथन 2017 में देश भर के शीर्ष इंजीनियरिंग कालेजों और विश्वविद्यायों की कुल 54 टीमों ने हिस्सा लिया और इसमें जेएमआई की टीम को '' नव प्रवर्तक '' विजेता घोषित करते हुए एक लाख रूपए का ईनाम दिया गया। इस टीम में जेएमआई के एफटीके सेंटर सूचना प्रोद्योगिकी :एफटीके–सीआईटीः के 6 छात्र शामिल थे।

लगातार 36 घंटे चलने वाली इस प्रतियोगिता में जेएमआई की टीम अपनी इस उपलब्धि से स्वाभाविक रूप से काफी खुश है और विश्वविद्यालय को उस पर गर्व है। स्मार्ट इंडिया हेकाथन 2017 में भाग ले रहे छात्रों के समक्ष भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने ऐसी सुरक्षा व्यवस्थ बनाने की चुनौती रखी थी जिससे हवाई अड्डों के निषिद्ध हवाई क्षेत्रों में कोई अवांछित ड्रोन नहीं घुसने पाए।

जेएमआई की टीम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि अब उनकी यह सुरक्षा व्यवस्था जल्द ही हवाई अड्डा प्राधिकरण लागू करेगा।

इस विश्वविद्यालय की अन्य टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

अहमदाबाद में आयोजित एक अन्य प्रतियोगिता में जेएमआई के इसी विभाग की '' इनसाइट जेएमआई '' टीम ने सांत्वना पुरस्कार जीता और 10 हज़ार रूपए ईनाम में पाए। इस टीम में तृतीय वर्ष के 5 और फाइनल इअर के एक छात्र ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन :इसरोः के लिए डीप लर्निंग तकनीक के ज़रिए ऐसी व्यवस्था तैयार की जिससे इसरो की मेल में 'स्पैम ' यानी अवांछनीय ई मेल की पहचान की जा सके।

जेएमआई कंप्यूटर विभाग की तीसरी टीम कोलकाता में आयोजित '' मेशयूअरवेआउट '' में तीसरे नंबर पर रही। इसमें इस विभाग के तृतीय वर्ष के छात्रों ने हिस्सा लिया।

'' मेशयूअरवेआउट '' के तहत जेएमआई के छात्रों ने एक ऐसी व्यवस्था विकसित की है जो गैर सूचीबद्ध अनुसंधान पत्रिकाओं से भी मेडिकल अनुसंधान पेपर को स्वतः देख सकेगी। इससे अंतरराष्ट्री स्तर पर ऐसे अनुसंधान पेपरों को खोजने में मदद मिलेगी जो सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित नहीं हुए हों।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की इस टीम का यह उत्पाद भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के तहत लागू होगा।

जेएमआई की इन तीनों विजेता टीम को बनाने में :एफटीके–सीआईटी विभाग के प्रमुख मुहम्मद एन दौजा, सूचना एवं प्रौद्योकिगी विभाग के निदेशक ज़ैनुल

आबेदीन जाफ़री और कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो तनवीर अहमद ने अहम भूमिका निभाई।

साईमा सईद

डेप्यूटी मीडिया कोऑर्डनैटर

font: Kruti Dev 010